महत्वपूर्ण एवं खास

10 मई को आयोजित नेशनल लोक अदालत में दोनों पक्षकार कर सकते हैं राजीनामा

सारंगढ़-बिलाईगढ़। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) नई दिल्ली के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य में अधीनस्थ न्यायालय से उच्च न्यायालय तक के सभी न्यायालयों में आगामी द्वितीय शनिवार 10 मई को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा, जिसमें राजीनामा योग्य प्रकरणों में पक्षकारों की आपसी सुलह समझौता से निराकृत किए जाएंगे। नेशनल लोक अदालत के संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय से सम्पर्क कर जानकारी ली जा सकती है। नेशनल लोक अदालत के संबंध में सबंधित व्यक्ति माननीय न्यायालय, राजस्व विभाग के कलेक्टर, अपर कलेक्टर, एसडीएम और तहसीलदार के माननीय न्यायालय, समस्त बैंक, पुलिस विभाग, नगर निगम, नगरपालिका, नगर पंचायत, बीएसएनएल, विद्युत विभाग आदि के पेंडिंग कर और बिल भुगतान कर सकते हैं। नेशनल लोक अदालत में राजीनामा के आधार पर निराकरण के लिए दाण्डिक राजीनामा योग्य प्रकरण, चेक बाउन्स वाले मामले, बैंक रिकवरी अर्थात् प्री-लिटिगेशन प्रकरण, मोटरयान अधिनियम से संबंधित प्रकरण, मेन्टेनेन्स धारा के प्रकरण, परिवार न्यायालय से संबंधित प्रकरण, श्रमिक प्रकरण, जमीन विवाद प्रकरण, विद्युत प्रकरण, जलकर प्रकरण, सम्पत्ति कर, टेलीफोन प्रकरण तथा राजस्व प्रकरणों को नियत किया गया है और उपस्थित पक्षकारगण के मध्य उपजे विवाद को वैकल्पिक समाधान के तहत लोक अदालत में उनके मध्य राजीनामा की सम्भावनाओं को तलाश करते हुए निराकरण किया जाएगा।

अग्निवीर भर्ती के लिए 25 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

सारंगढ बिलाईगढ़। अग्निवीर भर्ती के लिए भारतीय सेना की वेबसाईट ज्वाइन इंडियन आर्मी डॉट एनआईसी डॉट इन में भर्ती के लिए 25 अप्रैल तक आनलाइन आवेदन किया जा सकता है। कक्षा आठवीं और दसवीं (हाईस्कूल) परीक्षा उत्तीर्ण योग्य युवाओं के लिए यह सुनहरा अवसर है। अग्निवीर की भर्ती जनरल ड्यूटी, तकनीकी स्टॉफ, क्लर्क, ट्रेडमेन, महिला सैन्य पुलिस और रेगुलर कैडर भर्ती, धर्मगुरू, नर्सिंग, सहयोगी, सिपाही, फार्मासिस्ट आदि श्रेणी में की जाएगी। अग्निवीर क्लर्क के उम्मीदवारों को आनलाइन परीक्षा (सीईई) के समय टाइपिंग टेस्ट भी देना होगा। अन्य किसी भी प्रकार की जानकारी और समस्या के लिए सेना भर्ती कार्यालय रायपुर के टेलीफोन नंबर 07712965212 या 07712965214 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

भांजी के गमी में पहुंचे मामा की तालाब में डूबने से मौत

बालोद-रायपुर (आरएनएस)। भांजी की मौत के बाद शोक में शामिल होने पहुंचे मामा की भी तालाब में डूबने से मौत हो गई. ये पूरी घटना बालोद की है. जहां अब मामा भांजी की मौत का मातम पसरा है. बता दें, 16 अप्रैल को भांजी यानी योगिता साहू (12वर्ष) की मौत हो गई थी. वह अपने घर की बाड़ी के कुएं से पानी निकाल रही थी. इसी दौरान संतुलन बिगडने से वो कुएं में गिर गई. आस-पास के लोगों ने मासूम को बचाने की कोशिश की लेकिन तब तक देर हो चुकी थी. इसके बाद भांजी के घर शोक मनाने के लिए पहुंचे मामा की भी मौत हो गई जानकारी के अनुसार, मामा तोमेश्वर साहू (30 वर्ष), ग्राम- कठिया के रहने वाले थे. परिजनों के मुताबिक वह अपनी भांजी की मौत के बाद 13 दिन तक चलने वाले शोक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गुंडरदेही के खल्लारी गांव पहुंचे थे. इसी दौरान रविवार सुबह जब वे नहावन के लिए तालाब में उतरे, तो वहां डूबने से उनकी मौत हो गई. फिलहाल गुंडरदेही पुलिस ने मर्ग कायम कर युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है.

नई शिक्षा नीति में शिक्षा के साथ रोजगार भी है और संस्कार भी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने 'नए दौर की भागदौड़ में पीछे छूटते भारतीयता के संस्कार' विषय पर आयोजित 'की-नोट' एड्रेस में रखे अपने विचार

रायपुर

नए दौर की भागदौड़ में पीछे छूटते भारतीयता के संस्कारों के दौर में समाज को सकारात्मक दिशा देना अत्यंत आवश्यक है। आज विदेशी हमारी संस्कृति से प्रभावित हो रहे हैं। प्रयागराज महाकुंभ में बड़ी संख्या में पश्चिमी देशों के लोग श्रद्धा से गंगा स्नान करने पहुँचे। दूसरी ओर, हम दिखावे और आडंबर के चलते अपनी महान संस्कृति से दूर होते जा रहे हैं और पाश्चात्य संस्कृति को अपना रहे हैं। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा लागू की गई नई शिक्षा नीति में शिक्षा के साथ-साथ रोजगार और संस्कार दोनों सम्मिलित हैं। मुख्यमंत्री साय राजधानी के बेबीलोन कैपिटल होटल में पत्रिका समूह द्वारा आयोजित 'की-नोट' एड्रेस में अपने विचार व्यक्त करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि मैं गुलाब कोठारी को बधाई देना चाहता हूं कि वे अपनी लेखनी के माध्यम से समाज को निरंतर सकारात्मक दिशा दे रहे हैं। पत्रिका समूह के दायित्वों के साथ-साथ वे जो समय निकाल रहे हैं, उसे सामाजिक चेतना के लिए समर्पित कर रहे हैं – यह अत्यंत सराहनीय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा देश सदियों तक विश्व गुरु रहा है। नालंदा जैसे विश्वविद्यालयों में पूरी दुनिया से छात्र शिक्षा ग्रहण करने आते थे। हमारा सनातन धर्म अत्यंत प्राचीन है, जिसकी मूल भावना 'वसुधैव कुटुम्बकम्' है – अर्थात् पूरा विश्व एक परिवार है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा लागू की गई नई शिक्षा नीति को छत्तीसगढ़ ने अपनाया है। इस नीति में शिक्षा के साथ-साथ रोजगार और संस्कार दोनों को प्राथमिकता दी गई है। इसके माध्यम से हम पुनः अपनी गौरवशाली सभ्यता की ओर अग्रसर हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राचीन काल से ही भारत में नारी का सम्मान सर्वोपरि रहा है। हमारे यहां कहा गया है– 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः', अर्थात जहाँ नारी का सम्मान होता है, वहाँ देवताओं का वास होता है। हमारे धर्म में भगवान के नाम से पहले देवी का नाम आता है– जैसे उमापति महादेव, सियापति राम, राधाकृष्ण आदि। हम माँ सरस्वती से विद्या, माँ लक्ष्मी से धन और माँ दुर्गा से शक्ति की कामना करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' का अर्थ है – माता और मातृभूमि स्वर्ग से भी श्रेष्ठ हैं। माता-पिता ही बच्चे के प्रथम गुरु होते हैं, और जैसा वे सिखाते हैं, बच्चे वही सीखते हैं। हमारी सभ्यता आज भी जीवित है, जो हमारी शक्ति का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि आज हमारे परिवारों में एक गंभीर समस्या यह है कि हम बच्चों को मोबाइल थमा रहे हैं। मोबाइल में अच्छाई और बुराई दोनों हैं। हमें चाहिए कि हम उसमें से अच्छाई को चुनें – जैसे हंस दूध को ग्रहण करता है, वैसे ही हमें भी विवेकपूर्वक चयन करना चाहिए।

पत्रिका समूह के चेयरमैन गुलाब कोठारी ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखने की शक्ति केवल माँ के पास है। माँ सूक्ष्म स्तर पर जीवन जीती है। उसमें अन्न ब्रह्म और शब्द ब्रह्म दोनों विद्यमान हैं। माँ ही जीवन का पोषण करती है। आधुनिक शिक्षा ने माँ की भूमिका को कमज़ोर कर दिया है, जबकि शरीर और आत्मा दोनों के पोषण की शक्ति माँ के पास ही है। आज माँ-बाप और बच्चों के बीच की दूरी बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि सिर्फ बौद्धिक विकास जीवन में सुख की गारंटी नहीं देता।

कोठारी ने कहा कि अगर हम बदलती दुनिया में भी अपनी सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखें, तो ही हम विश्व को कुछ देने योग्य बन पाएंगे। भारतीय दर्शन हमें सिखाता है कि हम केवल शरीर नहीं, आत्मस्वरूप हैं। सूचना और ज्ञान बाहर से आते हैं, लेकिन विज़न और जीवन की दिशा भीतर से आती है। आज यही 'भीतर' हमसे छूट रहा है। आधुनिक शिक्षा ने हमें मानव संसाधन बना दिया है, जबकि हमें अपनी संस्कृति को जीवित रखना आवश्यक है।

टी-20 में रायगढ़ की शानदार सफलता, तीनों मैंच जीतकर पहुंची सेमीफाईनल

रायगढ़ । आरएनएस

जिला क्रिकेट संघ के निर्देशन में रायगढ़ के क्रिकेट खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। जिसमें सीनियर टी-20 क्रिकेट में रायगढ़ अपने लीग के तीनों टी-20 मैंच जीतकर सेमीफाईनल में जगह बना ली है। जिला क्रिकेट संघ सचिव रामचन्द्र शर्मा ने बताया कि प्लेट ग्रुप का छत्तीसगढ़ के जिलों के बीच टी-20 टूर्नामेंट चल रहा है। इसमें रायगढ़ डी के अंतर्गत शामिल है। रायगढ़ ने अपना पहला मैच धमतरी को 29 रन से हराया। दूसरा मैच राजनांदगांव को 37 रनों से और तीसरा मैच कोरबा को 28 रनों से पराजित कर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पहली बार जिले की टीम टी-20 प्रतियोगिता में सेमीफाईनल पहुंची हैं। जिससे टीम में काफी उत्साह दिखाई पड़ रहा है। इस जीत पर अध्यक्ष संतोष पाण्डेय ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए शुभकामनाएं दी हैं।

अमित व राहुल का बल्ला चमका

सचिव रामचन्द्र शर्मा ने बताया कि टीम के कप्तान अमित कुंवर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए पहले मैच में 37 व दूसरे मैच में शानदार शतक बनाकर टीम को जीत दिलाई। वहीं बल्लेबाज राहुल नायक ने विरोधी गेंदबाजों की बखिया उधेड़ते हुए तीनों ही मैच में शानदार अर्धशतक बनाए। पहले मैच में 57, दूसरे मे 91 व तीसरे मे 54 रनों का योगदान दिया।

टीम का शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन– गेंदबाजी में भी टीम की तरफ से भी गेंदबाजों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया है। जिसमें विकास द्विवेदी, शुभम अग्रवाल ने 5-5 विकेट प्राप्त किए हैं। जबकि परमात्मा पाण्डेय, मयंक सिदार ने पहले मैच में 4-4 तथा सक्षम चौबे ने 3 विकेट प्राप्त किए।

टॉप पर राहुल व अमित– सचिव रामचन्द्र शर्मा ने बताया कि लीग मैच में जिले के राहुल नायक 151 रन बनाकर नंबर वन पर हैं। राहुल नायक ने 3 मैच में 202 रन बनाए हैं। जिसमें सर्वाधिक 91 रन की पारी है। जबकि अमित कुंवर 3 मैचों में 149 रन बनाकर दूसरे पायदान पर हैं। इसमें उनका शानदार शतक भी शामिल हैं। ऐसा पहली बार हुआ है कि रायगढ़ के बल्लेबाज ने लीग टी-20 में पहले व दूसरे स्थान पर जगह बनाई है।

टाउनशिप के निकट पहुंचा हाथियों का दल

कोरबा (आरएनएस)। 39 हाथियों का दल अब कोरकोमा से आगे बढकर रजगामार व बाघमारा होते हुए बालको रेंज अंतर्गत बेला जंगल पहुंच गया है जो टाउनशिप से काफी नजदीक है। बड़ी संख्या में हाथियों के टाउनशिप के निकट पहुंच जाने से क्षेत्र में हडकंप मच गया है। वहीं वन अमला भी सतर्क हो गया है।

लोगों को हाथियों के आने की सूचना देने के साथ ही मुनादी कराने का काम भी शुरू कर दिया गया है। 13 हाथियों का दल पहले से बालको रेंज के माखुरपानी जंगल में विचरणरत है। 39 हाथियों के और आ जाने से अब बालको वन परिक्षेत्र में सक्रिय हाथियों की संख्या बढकर 52 हो गई है। दो अलग-अलग स्थानों पर बड़ी संख्या में हाथियों के विचरण करने से वन विभाग को निगरानी करने में दिक्कतें हो रही है। हालांकि इस काम में मैदानी अमले के अलावा ड्रोन कैमरे की मदद ली जा रही है।

बालको रेंजर जयंत सरकार ने बताया कि हाथियों के दल ने तत्काल कोई नुकसान नहीं पहुंचाया है फिर भी उत्पात की संभावना बनी हुई है। इसे देखते हुए विशेष सावधानी बरती जा रही है। वन विभाग की कोशिश है कि हाथियों का दल आबादी वाले क्षेत्रों में न पहुंचने पाए। इसके लिए रणनीति पर काम किया जा रहा है जहां कोरबा वनमंडल में बालको टाउनशिप के निकट बड़ी संख्या में हाथियों का दल पहुंच गया है वहीं कटघोरा वनमंडल के केंदई, एतमानगर व पसान रेंज में 60 हाथी अलग-अलग स्थानों पर विचरण कर रहे हैं।

सड़क चौड़ीकरण निर्माण का नेशनल हाईवे के अधिकारियों ने निरीक्षण किया

सारंगढ़ बिलाईगढ़

नेशनल हाईवे अथॉरिटी के रायगढ़, बिलासपुर, चांपा के अधिकारियों को जिले के लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने सारंगढ़ से दानसरा और सारंगढ़ से हरदी तक सड़क चौड़ीकरण के निर्माण कार्यों का अवलोकन किया। यह सड़क सरायपाली से रायगढ़ के मध्य का हिस्सा है।

ममता बनर्जी की निकली शव यात्रा, जलाया पुतला

कोरबा (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से जारी हिंसक घटनाओं के कारण हिंदुओं को भारी भरकम नुकसान हुआ। सबसे शर्मनाक स्थिति यह रहेगी पुलिस की मौजूदगी में इस प्रकार की घटनाएं हुई। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीपी घोष ने इलाके का निरीक्षण करने के साथ प्रभावितों से बातचीत की जिसमें सच्चाई सामने आई। कोरबा में विश्व हिंदू परिषद ने मुर्शिदाबाद कांड को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की शव यात्रा निकाली और नेताजी सुभाष चैराहे पर पुतला दहन किया।

प्रयास आवासीय विद्यालय के कक्षा 9वीं का प्राकच्यन परीक्षा सारंगढ़ में सम्पन्न

सारंगढ़ बिलाईगढ़

मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना के तहत संचालित प्रयास बालक एवं कन्या आवासीय विद्यालयों में वर्ष 2025-26 में कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु प्राकच्यन परीक्षा का आयोजन जिला मुख्यालय सारंगढ़ में 20 अप्रैल रविवार को सुबह 10 से 1 बजे तक किया गया। इस परीक्षा के लिए सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में एक परीक्षा केंद्र शासकीय स्वामी अंग्रेजी आत्मानंद विद्यालय सारंगढ़ को बनाया गया था, जिसमें कुल दर्ज 186 परीक्षार्थियों में से 125 उपस्थित तथा 61 अनुपस्थित थे। इस परीक्षा के नोडल अधिकारी डिप्टी कलेक्टर अनिकेत साहू थे। परीक्षा निरीक्षण में सहायक आयुक्त बद्रीश सुखदेव, प्रेक्षक पुष्कर पटले तथा तहसीलदार मनीष सूर्यवंशी और केंद्राध्यक्ष सुदीप्त प्रधान शामिल थे।

पशुओं के बीमार होने पर डायल करें हेल्पलाइन 1962 पशु मोबाइल मेडिकल एम्बुलेंस घर पहुंच सेवा प्रदान करेगा

सारंगढ़ बिलाईगढ़

पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित और छत्तीसगढ़ सरकार के पशुधन विकास विभाग द्वारा राज्य के सभी जिलों में मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई संचालित है, जिसके लिए हेल्पलाइन 1962 डायल करके पशु चिकित्सा के लिए अपना जानकारी दे सकते हैं। इसके बाद पशुधन मालिक के दरवाजे पर 1962 वाहन डॉक्टर सहित समय पर उपचार प्रदान करेगा।

1962 डायल के बाद जांच प्रक्रिया:

जब दिन के किसी भी समय 1962 आपातकालीन सेवा केंद्र पर पशुधन मालिक से इमरजेंसी कॉल प्राप्त होता है, तो पूछकर बेसिक जानकारी प्राप्त किया जाता है और कॉल करने वाले को उनके निकटतम सरकारी मोबाइल पशु चिकित्सा क्लिनिक/एम्बुलेंस, अस्पताल तक जानकारी प्रसारित की जाती है। कॉल सेंटर में पशु चिकित्सक आपातकाल के प्रकार का पता लगाता है और या तो ऑनलाइन मेडिकल डायरेक्शन (ओएलएमडी) प्रदान करता है या एम्बुलेंस भेजता है। पशु चिकित्सक के साथ एम्बुलेंस पशुपालक के दरवाजे तक पहुंचती है, बीमार मवेशियों की स्थिति का आकलन करती है और मौके पर ही उपचार प्रदान करती है। इस 1962 सुविधा के लिए राज्य शासन से कई कंपनी ने आपात सेवा देने के लिए अनुबंध किया है, जिसके तहत वे निरंतर काम कर रहे हैं।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवे पर्यावारण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढिए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001
www.nyaysakshi.com
सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में चैंबर ऑफ कॉमर्स की है महत्वपूर्ण भूमिका : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह में हुए शामिल

रायपुर

विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रदेश में व्यापार, व्यवसाय और उद्योग तेजी से विकास कर रहे हैं, जिसके कारण जीएसटी कलेक्शन में छत्तीसगढ़ देश में अग्रणी है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने का संकल्प लिया है। इसके लिए हम सबको मिलकर विकसित छत्तीसगढ़ बनाना होगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के शहीद स्मारक ऑडिटोरियम में आयोजित छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। कार्यक्रम में चैंबर के अध्यक्ष सतीश थौरानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष निकेश बरड़िया सहित अन्य पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण किया।

मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर कहा कि छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज 62 वर्षों से कार्यशील है, जिससे 12 लाख व्यापारी जुड़े हैं। प्रदेश के इस सबसे बड़े व्यापारी संगठन के इतिहास में पहली बार सर्वसम्मति से निर्वाचन संपन्न हुआ है, जो संगठन की एकजुटता का प्रमाण है। इस परंपरा को यह संगठन आगे भी कायम रखे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उद्योग और व्यापार की उन्नति के लिए राज्य सरकार द्वारा महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने छोटे व्यापारियों को हमेशा प्राथमिकता दी है। ई-वे बिल की सीमा 50 हजार से बढ़ाकर 1 लाख रुपये कर दी गई है। हमने पेट्रोल पर वैट 1 रुपये प्रति लीटर कम किया है। व्यापारियों को राहत देते हुए 10 साल पुराने लंबित मामलों में 25 हजार रुपये तक की वैट देनदारी को माफ किया गया है। इसका लाभ प्रदेश के 40 हजार व्यापारियों को मिल रहा है।

नई औद्योगिक नीति : प्रदेश में साढ़े चार लाख करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि नई उद्योग नीति से उद्योगों के लिए प्रदेश में सकारात्मक वातावरण बना है। इसके लागू होने के बाद से अब तक प्रदेश में साढ़े चार लाख करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव मिले हैं। नवा रायपुर में सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए हाल ही में प्लांट का भूमिपूजन हुआ है। हाल ही में हमने दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में इन्वेस्टर मीट का आयोजन किया। देशभर के कारोबारियों और उद्योगपतियों में इसे लेकर गजब का उत्साह है। वे छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा में शामिल होना चाहते हैं।

नई औद्योगिक नीति का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने का आग्रह

मुख्यमंत्री ने चैंबर के पदाधिकारियों से राज्य सरकार की नई औद्योगिक नीति का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने का आग्रह किया, जिससे प्रदेश में अधिक से अधिक निवेश आकर्षित हो सके।